



भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी

प्रलिस के लयः

सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, रक्षा क्षेत्र में पहल, भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी ।

मेन्स के लयः

मशिन डफऱसपेस, सरकारी नीतयऱँ और हसूतकषेप, प्रौद्योगकऱी का स्वदेशीकरण, रक्षा के स्वदेशीकरण का महत्त्व और संबधतऱी चुनौतयऱँ ।

चरूा में कयऱँ?

हल ही में **भारतीय अंतरिक्ष संघ (ISPA)** ने **रक्षा अनुसंधान और वकऱस संगठन (DRDO)** के सहयोग से भारतीय रक्षा अंतरिक्ष (डेफसपेस) संगोष्ठी का आयोजन कयऱा जो अंतरिक्ष डोमेन में सरकार और सैन्य फोकस के बढ़ते दृष्टकऱोण पर केंद्रतऱी है तथा भारत की अंतरिक्ष कषमताओं को बढ़ाने के तरऱीकों की पड़ताल करता है ।

- यह कार्यक्रम '**मशिन डेफसपेस**' के तहत के हसऱसे के रूप में आयोजतऱी कयऱा गया था, जो भारतीय उद्योग और स्टार्ट-अप के माधयम से अंतरिक्ष क्षेत्र में अभनव समाधान वकऱसतऱी करने के लयऱी भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शुरू कयऱा गया एक महत्त्वकांकषी प्रयास है ।

वॉरफेयर के परवऱरतन की आवस्यकताः

- वॉरफेयर की प्रकृतऱी बड़े परवऱरतन के संक्रमण परदृश्य में है और अंतरिक्ष का उपयोग भूमऱ, समुद्र और साइबर डोमेन में युद्धक कषमताओं को बढ़ाने के लयऱी कयऱा जा रहा है ।
 - संगोष्ठी अत्याधुनकऱी तकनीक के साथ दोहरे उपयोग वाले प्लेटफॉर्म वकऱसतऱी करने और अंतरिक्ष क्षेत्र में आक्रामक तथा रक्षात्मक कषमताओं जैसे- लागत और चुनौतयऱँ को कम करने के लयऱी उपग्रहों और पुनः प्रयोज्य लॉन्च प्लेटफार्मों के **केमऱनीएचराइज़ेशन (सैटेलाइट लॉन्च की लागत को अनुकूलतऱी करने का एक नया तरऱीका)** क्षेत्र का पता लगाने, की आवस्यकता पर ज़ोर देतऱी है ।
- DRDO ने अंतरिक्ष स्थतऱीजन्य जागरूकता कषमता को बढ़ाने, काउंटर स्पेस कषमताओं के साथ अंतरिक्ष संपत्तऱी की सुरक्षा करने और अंतरिक्ष-आधारतऱी बुनयऱिदी ढाँचे में लचीलापन तथा अंतरऱक बनाने की आवस्यकता पर बल दयऱी ।
- यह नौसैनकऱी परदृश्य के वसूतार के तरऱीकों की भी पड़ताल करता है, त्वरतऱी अंतरिक्ष-आधारतऱी खुफयऱी जानकारी, नगरऱनी और टोही (ISR) पर ज़ोर देता है और सुरकषतऱी उपग्रह-सहायता प्राप्त संचार सुनशऱीकतऱी करता है ।
- संगोष्ठी में ट्रांस-डोमेन हथयऱारों की उपस्थतऱी, हवा से या आंतरऱक अंतरिक्ष से बाह्य अंतरिक्ष तक लक्षतऱी करने तथा भवष्य के अंतरिक्ष-आधारतऱी नगरऱनी नेटवर्क को एकीकृत करने की आवस्यकता पर भी चरूा की गई ।

अंतरिक्ष के सैन्यीकरण पर भारत का दृष्टकऱोणः

- वर्तमान परदृश्य में बदलतऱी धरुवीयता/शकूतऱी संतुलनः भारत में, ऐतऱहासकऱी रूप से, अंतरिक्ष अपनी नागरकऱी अंतरिक्ष एजेंसी **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** का एकमात्र अधिकार क्षेत्र रहा है । अंतरिक्ष के शस्त्रीकरण और सैन्यीकरण का वरऱोध करते हुए भारत ने हमेशा अंतरिक्ष सुरक्षा के प्रतऱी शांतवऱिदी दृष्टकऱोण रखा है ।
 - पछऱले एक दशक से, बाह्य अंतरिक्ष के प्रतऱी भारत का दृष्टकऱोण बदल रहा है और अब यह राष्टऱीय सुरक्षा चतऱीओं से प्रेरतऱी है । नैतकऱी रूप से संचालतऱी नीतऱी को चुनने के बजाय, भारत बाह्य अंतरिक्ष के शांतपूरण उपयोग पर ध्यान केंद्रतऱी कर रहा है ।
 - हालौंका भारत ने अभी भी गैर-शस्त्रीकरण (Non-Weaponization) की अपनी नीतऱी को नहीं छोड़ा है, लेकनऱी उसने महसूस कयऱी है कऱऱ उसकी नषऱीकऱीयता तथा बाह्य अंतरिक्ष में समकालीन वकऱस की अनदेखी उसकी अंतरिक्ष संपत्तऱी के लयऱी कई तरह के खतरऱों के प्रतऱी संवेदनशील बना सकतऱी है ।
- हल के घटनाक्रमः वर्ष 2019 में भारत ने चीन के खतरऱों पर नज़र रखने के साथ अपना पहला समऱुलेटेड अंतरिक्ष युद्ध अभयऱस (IndSpaceX) आयोजतऱी कयऱी और इसी वर्ष एक **एंटी-सैटेलाइट हथयऱार (मशिन शकूतऱी)** का सफलतापूरवक परीक्षण कयऱी ।
 - साथ ही, त्रऱि-सेवा रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी (DSA) के लॉन्च ने सेना को नागरकऱी अंतरिक्ष की पृष्ठभूमऱी से संक्रमणीय रूप से दूर कर दयऱी

है।

- भारत ने DSA के लिये अंतरिक्ष-आधारित हथियार विकसित करने में मदद के लिये **रक्षा अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी (DSRA)** की भी स्थापना की है। वर्तमान में अंतरिक्ष को एक सैन्य क्षेत्र के रूप में उतना ही मान्यता प्राप्त है जितनी कृषि, जल, वायु और साइबर।
- वर्ष 2020 में, भारत सरकार ने अंतरिक्ष डोमेन में नजिी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये अंतरिक्ष विभाग के तहत एक स्वतंत्र नोडल एजेंसी **इन-स्पेस** की स्थापना निर्माण को मंजूरी दी।

मशिन डेफस्पेस

- यह भारतीय उद्योग और स्टार्ट-अप के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में तीनों सेवाओं (**भारतीय वायु सेना, नौसेना और सेना**) के लिये अभिनव समाधान विकसित करने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है।
- अंतरिक्ष क्षेत्र में रक्षा आवश्यकताओं के आधार पर **नवीन समाधान** प्राप्त करने के लिये 75 चुनौतियों का निराकरण किया जा रहा है।
- स्टार्टअप, इनोवेटर्स और नजिी क्षेत्र को समस्याओं के समाधान **खोजने के लिये आमंत्रित किया जाएगा जिसमें आक्रामक और रक्षात्मक दोनों क्षमताएँ शामिल होंगी।**
- इसका उद्देश्य अंतरिक्ष युद्ध के लिये सैन्य अनुप्रयोगों की एक शृंखला विकसित करना और नजिी उद्योगों को भविष्य की आक्रामक और **रक्षात्मक आवश्यकताओं के लिये सशस्त्र बलों के समाधान की पेशकश करने में सक्षम बनाना है।**
- अंतरिक्ष में रक्षा अनुप्रयोगों से न केवल भारतीय सशस्त्र बलों को मदद मिलेगी बल्कि **विदेशी मत्रि राष्ट्रों तक भी इसका वस्तितार किया जा सकता है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

हदि महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. IONS का उद्घाटन भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में वर्ष 2015 में भारत में किया गया था।
2. IONS एक स्वैच्छिक पहल है जो हदि महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 'हदि महासागर नौसेना संगोष्ठी' (IONS) एक स्वैच्छिक पहल है, जो क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक समुद्री मुद्दों पर चर्चा के लिये एक खुला और समावेशी मंच प्रदान करके हदि महासागर क्षेत्र के तटवर्ती राज्यों की नौसेनाओं के मध्य समुद्री सहयोग बढ़ाने का प्रयास करती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और सदस्य देशों के मध्य मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिये एक मंच प्रदान करता है।
- IONS फरवरी 2008 में नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया था। नौसेना स्टाफ के प्रमुख, भारतीय नौसेना को वर्ष 2008-10 की अवधि के लिये IONS के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

??????

Q. रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को अब स्वतंत्र बनाया जाना तय है: लघु और दीर्घावधि में भारतीय रक्षा और अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ने की उम्मीद है? (2014)

Q. भारत-रूस रक्षा सौदों पर भारत-अमेरिका रक्षा सौदों का क्या महत्त्व है? हदि-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के संदर्भ में चर्चा करें। (2020)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-defspace-symposium>

